❶

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

एक सद्विप्रा बहुधा वदन्ति।

ऋग्वेद 1/164/46

एक ही ईश्वर को विद्वान् लोग अनेक नामों से कहते हैं, पुकारते हैं।
The wise men invoke the one God by different names.

वर्ष 41, अंक 43 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 13 अगस्त, 2018 से रविवार 19 अगस्त, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 25 से 28 अक्टूबर 2018 दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 की तैयारी हेतु

बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा, पटना के अन्तर्गत समस्त आर्यसमाजों विद्यालयों, गुरुकुलों के अधिकारियों, कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों की वृहद बैठक सम्पन्न

बिहार के आर्यों ने देश-विदेश में पहुंचकर राष्ट्र निर्माण, विकास और राष्ट्रीय एकता का महान कार्य किया : सम्पूर्ण बिहार से दिल्ली महासम्मेलन में जुटेंगे आर्यजन – गंगा प्रसाद, माननीय राज्यपाल मेघालय

विदेशों में वैदिक धर्म स्थापित करने में बिहार और पूवी उ.प्र. के आर्यों का बड़ा हाथ – सुरेशचन्द्र आर्य

आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार के बैनर तले हजारों की संख्या में दिल्ली पहुंचेंगे आर्यजन – संजीव चौरसिया

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 को सफल बनाने के संकल्प के साथ एक दिवसीय 'आर्य महासम्मेलन' दिनांक 12 अगस्त 2018 को बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से सभा प्रांगण में पूरी भव्यता से सम्पन्न हुआ। महासम्मेलन का शुभारम्भ वैदिक यज्ञ और ओ३म् ध्वजारोहण से हुआ। वैदिक यज्ञ सभा मंत्री डॉ. व्यासनन्दन शास्त्री, पं. दीप नारायण शास्त्री, पं. अशोक कुमार शास्त्री और पं. विनोद कुमार शास्त्री के संयुक्त आर्यत्व से सम्पन्न हुआ। ओ३म् ध्वजारोहण सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री सुरेश चन्द्र आर्य एवं बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान डॉ. संजीव चौरसिया (विधायक) ने संयुक्त रूप से किया जिसमें मेघालय के महामहिम राज्यपाल एवं सभा के मुख्य संरक्षक श्री गंगा प्रसाद जी व सार्वदेशिक सभा मंत्री श्री प्रकाश आर्य सहित बिहार एवं नेपाल के सैकड़ों आर्य प्रतिनिधियों ने ओ३म् ध्वजगीत गाया।

शेष पृष्ठ 7 पर

आदि शंकराचार्य की कर्मभूमि – केरल की राजधानी त्रिवेन्द्रम व कालीकट (कोझीकोड) में

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के लिए कर्मठ कार्यकर्ताओं की प्रचार बैठकें सम्पन्न

सम्मेलन के लिए केरल में अति उत्साह : हजारों लोगों के साथ पहुंचेंगे दिल्ली – आचार्य एम. आर. राजेश

इतिहास में पहली बार केरल की राजधानी त्रिवेन्द्रम में वैदिक धर्म के अनुयाइयों की महासम्मेलन की तैयारी हेतु विशाल बैठक सम्पन्न हुई। आचार्य एम. आर. राजेश के आशीर्वाद और प्रेरणा से इस अवसर पर दिल्ली सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य, श्री सतीश चड्डा, मंत्री, केरला से श्री विवेक शेनॉय, निदेशक, के. वी. आर. एफ. समेत अनेक वैदिक धर्म के अनुयायी उपस्थित थे। आचार्य एम. आर. राजेश ने बैठक में उपस्थित सभी आर्य महानुभावों, मातृशक्ति से महासम्मेलन में भारी संख्या पहुंचने का आह्वान किया जिसका सभी उपस्थित महानुभावों ने समर्थन किया। इसी के साथ अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 तैयारी हेतु दक्षिण भारतीय राज्य केरल के कालीकट में भी दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी के नेतृत्व में आचार्य एम. आर. राजेश जी की अध्यक्षता, श्री सतीश चड्डा, आ. विवेक जी के सान्निध्य में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन हेतु बैठक सम्पन्न हुई। आचार्य एम. आर. राजेश जी ने बताया कि हम हजारों लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेगें।

वेद-स्वाध्याय

दुष्कर्मी संमार्ग को नहीं तर सकते

प्रत्नान्मानादध्या ये समस्वरञ्छ्लोकयन्त्रासो रभसस्य मन्तवः।
अपानक्षासो बधिरा अहासत ऋतस्य पन्थां न तरन्ति दुष्कृतः।। -ऋ. 9/73/6
ऋषिः पवित्र आङ्गिरसः।। **देवता** - पवमानः सोमः।। **छन्दः** जगती।।

शब्दार्थ - श्लोकयन्त्रासः = श्लोक - यन्त्रवाली, ईश्वरीय वाणी से निकलने वाली **रभसस्य मन्तवः** = और इस वेगवान् महान् संसार को जाननेवाली **ये** = जो (दिव्य प्रकाश और दिव्य शब्द की किरणें) **प्रत्नात् मानात् अधि** = पुराने निर्माणस्थान, उत्पत्तिस्थान से **आ** = आकर **सम् अस्वरन्** = मिलकर बज रही हैं या प्रकाशित हो रही हैं उन्हें **अनक्षासः** = न आंखों वाले तथा **बधिराः** = बहिरे, न सुन सकनेवाले (संसारी पापी) लोग **अप अहासत** = छोड़ देते हैं, उन्हें देखते-सुनते नहीं, इनका लाभ नहीं उठाते, इसीलिए **दुष्कृतः** = दुष्कर्म करनेवाले ऋतस्य **पन्थाम्** = सत्य के मार्ग को **न तरन्ति** = तर नहीं सकते।

विनय- देखो, स्वर्गिक गान के स्वर सुनाई दे रहे हैं, दिव्य प्रकाश की किरणें दृष्टिगोचर हो रही हैं। ये ओर कुछ नहीं हैं, सत्यनियम (ऋत) ही मिलकर ठीक धुन में ताल-स्वर के साथ बज रहे हैं। सत्यनियम ही हमारे अनुकूल रूप धारण करके दीख रहे हैं। ये दिव्य शब्द व प्रकाश की किरणें ऊपर से आ रही हैं, द्युलोक से आ रही हैं। वहीं हम सबका पुराना सनातन उत्पत्तिस्थान है, निर्माणस्थान है। वहीं से इस अनादि ब्रह्माण्ड-वीणा के सब स्वर निकल रहे हैं, सदा से निकलते रहे हैं और सदा निकलते रहेंगे। ये जिस वीणायन्त्र से निकल रहे हैं वह प्रभुवाणी की वीणा है, उसकी श्लोक, ईक्षण शक्तिरूपी वीणा है, इसीलिए उसकी ये रश्मियां इस सब वेगवान् महान् संसार को जानती हुई चल रही हैं, अपने प्रभु के सर्वगत चैतन्य के स्पर्श से कभी वियुक्त नहीं होतीं। इन किरणों और इन स्वरों के अनुसार जो लोग अपने-आपको चलाते हैं, इनकी ताल-पर-ताल देते हुए इनके अनुसार अपने शरीर-मन-बुद्धि को हिलाते-नचाते और ठीक करते जाते हैं, वे तो बड़ी आसानी से ऊपर-ऊपर चढ़ते जाते हैं, पर दुःख है कि यह अन्धा और बहरा संसार न उन्हें देख रहा है और न सुन रहा है। हम लोग बड़ी बेपरवाही के साथ सब-कुछ अनसुना करते हुए अंधाधुन्ध अपनी हांकते जा रहे हैं, तभी दुःख पा रहे हैं ओर जहां-के-तहां पड़े हुए हैं; उन्नति-पथ पर आगे नहीं बढ़ सकते। सचमुच अपने इन दुःखदायी प्रतिकूल कर्मों को, दुष्कर्मों को हम इसीलिए करते हैं-करने में प्रवृत्त होते हैं-चूंकि हम इन स्वर्गिक लहरों को सुन व देख नहीं रहे हैं, अतः आओ, भाइयो! हम अब अपने उन कानों और आंखों को खोल लेवें जिनसे कि प्रभुधाम से अनवरत आनेवाले ये दिव्य स्वर सुनाई और दिखाई देते हैं। ऐसे कान और आंख तो हम सबके पास हैं।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

क्या यह देश के सामाजिक पतन का संकेत नहीं?

बिहार के मुजफ्फरपुर शहर में स्थित एक बालिका गृह में काफी समय से मासूम बच्चियां जिन्हें अपना मानकर जिनके बीच अपना बचपन जीती रही उन्हीं अपनों की बुरी हरकतों से बच्चियों का बचपन सहम गया है। इन बच्चियों को शारीरिक व मानसिक रूप से तोड़ने वाला कोई और नहीं बल्कि वह है जिनके साथ वे खुद को सुरक्षित समझती थीं। सामाजिक सेवा के नाम पर चल रहे बिहार के मुजफ्फरपुर शहर में स्थित एक बालिका गृह में रह रहीं 42 लड़कियों में से 34 के साथ बलात्कार होने की पुष्टि हो चुकी है। इससे पहले यहां रह रहीं 29 लड़कियों से बलात्कार की पुष्टि हुई थी। दिन पर दिन आगे बढ़ी जाँच और उनसे उठ रहे सवालों को देखकर लगता है कि इस इमारत की दीवार पर बालिका गृह, देख-रेख एवं संरक्षण की जगह यदि कोई बालिका यातना गृह लिख दे तो शायद कुछ गलत नहीं होगा।

पिछले एक जून को इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ था जब समाज कल्याण विभाग के आदेश पर बालिका गृह चलाने वाले एनजीओ सेवा संकल्प एवं विकास समिति के संचालकों पर पॉस्को और यौन उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज कराया गया था। इस मामले में सेवा संकल्प एवं विकास समिति के संचालक ब्रजेश ठाकुर समेत 10 आरोपी जेल में हैं जबकि एक फरार है। इनमें आठ महिलाएं भी हैं। बालिका गृह यौन शोषण मामले में कई बड़े सफेदपोश और रसूखदार पुलिस की रडार पर हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि ब्रजेश ठाकुर बच्चियों के साथ न केवल मारपीट करता था बल्कि उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां भी देता था। मालूम हो कि टीआईएसएस ने 7 महीनों तक 38 जिलों के 110 संस्थानों का सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण में बिहार के बालिका गृह को लेकर खुलासे हुए थे।

रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि रेप से पहले बच्चियों को मिर्गी का इंजेक्शन देकर उन्हें बेहोश किया जाता था। पुलिस ने यहां छापा मारकर 63 तरह की दवाएं भी जब्त की हैं। शोषण की शिकार हुई सभी बच्चियां 18 साल से कम उम्र की हैं। इनमें भी ज्यादातर की उम्र 13 से 14 साल के बीच है। बालिका गृह के कमरों में लक्ष्मी और दुर्गा के कैलेंडर टंगे हैं किन्तु बच्चियां प्रताड़ना के जो किस्से बता रही हैं उसे सुनकर खून ठंडा पड़ जाए या खून खौलने लगे, इसे तय नहीं किया जा सकता है। इसे राष्ट्रीय शर्म का विषय कहें या सामाजिक शर्म का पर राजनितिक शर्म तो इस मामले में कहीं दिखाई दे नहीं रही है। क्योंकि विधानसभा में रेप अभियुक्तों के साथ सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की तस्वीरें लहराई जा रही हैं।

आज देश मौन है। क्यों मौन है? ये प्रश्न अपना वजूद खोता जा रहा है। आखिर क्यों 15 मार्च को सौंपी गई यह रिपोर्ट दो महीने तक समाज कल्याण विभाग में धूल खाती रही। यदि उक्त विभाग संवेदनशील होकर मामले पर तुरन्त कार्यवाही कर देता तो शायद ये बच्चियां और दो महीने पहले इस यातना गृह से मुक्त करायी जा सकती थी। प्राकृतिक आपदा में अपने परिवार खो चुकी, बेसहारा होकर यहाँ पहुंची ये बच्चियां नहीं जानती होंगी कि यहाँ आकर अपना सब कुछ गँवा देगी।

ज्ञात हो इसी तरह का मामला पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उजागर हुआ था जब पुलिस ने एक मदरसे से 51 लड़कियों को छुड़ाया था। मामला उस समय संज्ञान में आया था जब मदरसे की छत पर चढ़कर छात्राओं ने पर्ची फेंककर लोगों से मदद की गुहार लगाई थी। वहीं एक पीड़िता ने मदरसा संचालक मो. तैयब जिया पर लड़कियों का यौन शोषण और लड़कियां सप्लाई करने का भी आरोप लगाया था। इससे पहले एक ऐसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला साल 2013 में छत्तीसगढ़ के कांकेड़ झलियामारी में एक आदिवासी गर्ल्स हॉस्टल में से आया था जहाँ साल 2011 से हॉस्टल चौकीदार और एक कर्मचारी 11 लड़कियों के साथ कुकर्म करते रहे और बच्चियां सब कुछ भुगतने को मजबूर रहीं।

....बताया जा रहा है कि रेप से पहले बच्चियों को मिर्गी का इंजेक्शन देकर उन्हें बेहोश किया जाता था। पुलिस ने यहां छापा मारकर 63 तरह की दवाएं भी जब्त की हैं। शोषण की शिकार हुई सभी बच्चियां 18 साल से कम उम्र की हैं। इनमें भी ज्यादातर की उम्र 13 से 14 साल के बीच है। बालिका गृह के कमरों में लक्ष्मी और दुर्गा के कैलेंडर टंगे हैं किन्तु बच्चियां प्रताड़ना के जो किस्से बता रही हैं उसे सुनकर खून ठंडा पड़ जाए या खून खौलने लगे, इसे तय नहीं किया जा सकता है। ....

घिनौनी वारदात की लिस्ट लम्बी है जो स्वस्थ बाल मन को हमेशा के लिए क्षतिग्रस्त कर दे रही है। कहा जाता है कि हम जो कुछ भी अपने बचपन में देखते हैं, सुनते हैं, सीखते हैं या फिर सहते हैं वह जिन्दगी भर हमारे साथ रहता है। चाहें इसमें अच्छे अनुभव हों या बुरे शायद अब ये लड़कियां भी जीवन भर इस मानसिक त्रासदी से जूझती रहेंगी क्योंकि महिला या बच्चियों के प्रति होने वाली यौन हिंसा के बारे में लोगों का रवैया उदासीन है। किसी समाज की संवेदनशीलता का स्तर उसके अपने बच्चों के साथ किये गए व्यवहार से परिलक्षित होता है। यदि इस देश के आंकड़े देखें तो शायद जरा भी गर्व की अनुभूति अन्दर शेष न बचे राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक देश में बाल यौन उत्पीड़न के मामले तीन सौ छत्तीस प्रतिशत बढ़ गए हैं। साल 2001-2011 के बीच कुल 48,338 बच्चों से यौन हिंसा के मामले दर्ज किये गए, साल 2001 में जहाँ इनकी संख्या 2,113 थी वहीं 2011 में बढ़कर 7,112 हो गई। ये सब उस देश की स्थिति है जहाँ यौन हिंसा किसी भी सामाजिक स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और बच्चों को भगवान का रूप बताया जाता है।

मीडिया आज भी बाल यौन-शोषण जैसे मामलों को गंभीरता से नहीं कवर करता है। हमारे समाज का एक रूप इतना दकियानूसी है कि इस गंभीर अपराध को हमेशा छिपाकर रखने की कोशिश करता है। हम हत्या, चोरी, भ्रष्टाचार के अपराध को समाजिक पतन से जोड़कर देखते हैं लेकिन क्या बाल यौन-शोषण जैसे मुद्दे को अनदेखा कर दिया जाना सही है? क्या यह देश के सामाजिक पतन का संकेत नहीं?

-सम्पादक

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

घुसपैठियों पर बेतुकी रार

.....व्यावहारिकता के धरातल पर आकर सोचें तो यह साफ दिखता है कि एनआरसी का यह तरीका सही है। बाहरी घुसपैठिए, मूल नागरिकों के संसाधनों से लेकर अधिकारों तक में सेंध लगाते हैं। इस बदलाव से सबसे अधिक परेशान मूल नागरिकों में गरीब और सबसे निचला तबका होता है जो दैनिक, मजदूरी पर अपनी जिंदगी गुजारता है।.....

शरणार्थी वह होता है जो जरूरी कागजात लेकर किसी राष्ट्र से कुछ समय के लिए शरण मांगता है और घुसपैठिया उसे कहा जाता है जो चोरी से किसी राष्ट्र की सीमा में प्रवेश कर जाये। शायद इसी अंतर को स्पष्ट करने के लिए असम में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) का दूसरा और आखिरी ड्राफ्ट पेश कर दिया गया है। इसके तहत 2 करोड़ 89 लाख 83 हजार 677 लोगों को वैध नागरिक मान लिया गया है। इस तरह से करीब 40 लाख लोग अवैध पाए गए हैं जो अपनी नागरिकता के वैध दस्तावेज को साबित नहीं कर सके हैं। हालाँकि (एनआरसी) को लेकर अभी काफी असमंजस की स्थिति है लेकिन इस असमंजस को वही समझ सकता है जिसने बड़ी मेहनत से घर बनाया हो और घुसपैठिये द्वारा की गई साम्प्रदायिक हिंसा की अग्नि की लपटों में स्वाहा कर बैठा हो।

भारत का बांग्लादेश से जुड़ा असम का दक्षिणी भाग नागरिकता की इसी असमंजस की लहरों में तैर रहा है। भले ही लोग इस भाग से मानचित्रों, किताब के कुछ पन्नों और अखबार की सुर्खियों से परिचित हो गये हों किन्तु यह परिचय भी केवल असम राज्य का नाम और उसकी राजधानी छोड़कर यादों के कोने में बहुत देर नहीं टिकता। लेकिन भारतीय होने के नाते राज्य से हम सबका एक जुड़ाव है जो हमारी राष्ट्रीय पहचान के साथ-साथ चलता रहता है। अगर व्यावहारिकता के धरातल पर आकर सोचें तो यह साफ दिखता है कि एनआरसी का यह तरीका सही है। बाहरी घुसपैठिए मूल नागरिकों के संसाधनों से लेकर अधिकारों तक में सेंध लगाते हैं। इस बदलाव से सबसे अधिक परेशान मूल नागरिकों में गरीब और सबसे निचला तबका होता है जो दैनिक, मजदूरी पर अपनी जिंदगी गुजारता है। इसके मन में प्रवासियों को लेकर नफरत पनपने लगती है। तब स्थानीय निवासी यह अपेक्षा रखता है कि लोकतान्त्रिक तरीकों से राजनेता परेशानियों का समाधान करे।

इसी समाधान का हल तलाशने के लिए पिछले तीन सालों से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नया राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनसीआर) बनाने की तैयारी चल रही थी। इससे पहले वाला नागरिक रजिस्टर सन् 1951 में बना था। इस प्रक्रिया के सहारे ही असम के मूल नागरिकों की पहचान की जानी है। बस यही मूल समस्या है। असम हर जगह जैसी जगह नहीं है कि इसे सहन कर लिया जाए। यह दो देशों के बीच मौजूद भूमि पर अपनी जिंदगी जीता है। इसलिए घुसपैठियों को लेकर असम की राजनीति आजादी के बाद से ही उफनती रही है।

दूसरा असम में घुसपैठियों को वापस भेजने के लिए यह अभियान करीब 37 सालों से चल रहा है। सन् 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान वहां से पलायन कर लोग भारत भाग आए और यहीं बस गए। इस कारण स्थानीय लोगों और घुसपैठियों में कई बार हिंसक वारदातें हुईं। अस्सी के दशक से ही यहां घुसपैठियों को वापस भेजने के आंदोलन हो रहे हैं। सबसे पहले घुसपैठियों को बाहर निकालने का आंदोलन 1979 में ऑल असम स्टूडेंट यूनियन और असम गण परिषद ने शुरू किया। यह आंदोलन हिंसक हुआ और करीब 6 साल तक चला। हिंसा में हजारों लोगों की मौत हुई। हिंसा को रोकने में 1985 में केंद्र सरकार और आंदोलनकारियों के बीच समझौता हुआ। उस वक्त तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और स्टूडेंट यूनियन और असम गण परिषद के नेताओं में मुलाकात हुई। तय हुआ कि 1951-71 से बीच आए लोगों को नागरिकता दी जाएगी और 1971 के बाद आए लोगों को वापस भेजा जाएगा। आखिरकार सरकार और आंदोलन कारियों में बात नहीं बनी और समझौता फेल हो गया।

इसी कारण असम में सामाजिक और राजनीतिक तनाव बढ़ता चला गया। इसके बाद 2005 में राज्य और केंद्र सरकार में (एनआरसी) लिस्ट अपडेट करने के लिए समझौता किया। धीमी रफ्तार की वजह से मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। इस मुद्दे पर कांग्रेस जहां सुस्त दिखी। वहीं, बीजेपी ने इस पर दांव खेल दिया और 2014 में भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया। मोदी ने चुनावी प्रचार में बांग्लादेशियों को वापस भेजने की बातें कहीं। इसके बाद 2015 में कोर्ट ने एनआरसी लिस्ट अपडेट करने का भी आदेश दे दिया जब 2016 में राज्य में भाजपा की पहली सरकार बनी और अवैध रूप से रह रहे बांग्ला देशियों को वापस भेजने की प्रक्रिया फिर तेज हो गई।

असम में 1971 के पहले या बाद कितने बांग्लादेशी आए हैं, इसका हिसाब किसी के पास नहीं है। लेकिन हर कोई कह रहा है कि बांग्लादेशी जरूर आए होंगे क्योंकि इस दौरान राज्य में मुसलमानों की आबादी में इजाफा हुआ है। सन् 1971 में असम में मुस्लिम आबादी 24.56 प्रतिशत थी, जो 2001 में बढ़कर 30.92 प्रतिशत हो गई। इसी तरह राज्य के मुस्लिम बहुल जिलों में मुसलमानों के बढ़ते अनुपात पर चिंता व्यक्त की जाती है। धुबड़ी जिला बांग्लादेश से सटा हुआ है और वहां नदी के रास्ते बांग्लादेश आना-जाना बिल्कुल आसान है। वहां की मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 1971 के 64.46 से बढ़कर 2001 में 74.29 हो गया। जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि इन 30 सालों में असम में यदि मुसलमानों की संख्या 129.5 फीसदी बढ़ी है बस असम के संगठन इसी जनसंख्या वृद्धि को अवैध घुसपैठ का अकाट्य प्रमाण मानते हैं।

नागरिकता अधिनियम-1955 में संशोधन का प्रस्ताव है। इस संशोधन के एक प्रावधान का संदेश यह है कि भविष्य में हिन्दू, बौद्ध और जैन समुदाय से जुड़े लोगों को छोड़कर भारत के पड़ोसी देश से जुड़े किसी व्यक्ति को भारत की नागरिकता हासिल नहीं होगी। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि मुस्लिम बहुलता वाले पड़ोसी देश के व्यक्ति भारत की नागरिकता के अधिकारी हो ही नहीं सकते। पहले चरण में एनसीआर की सूची में शामिल होने से रह गए लोगों की सबसे बड़ी चिंता यह नागरिकता संशोधन बिल ही है। इस सूची में शामिल होने से असफल रहे लोग इस रजिस्टर को ड्राफ्ट मानकर भूलने की कोशिश भी करें तो भी नागरिकता अधिनियम में प्रस्तावित बदलाव की बात उन्हें चैन से सोने नहीं देगी। भीतर ही भीतर दक्षिणी असम के मूलनिवासी, भाषाई और धार्मिक ताने-बाने में टूटने की सारी परिस्थितियां बन गई हैं। अब देखना यह होगा कि राजनीति इसे संभाल पाती है या विपक्षी नेताओं के गृहयुद्ध जैसे बयानों से किसी बड़ी सुनामी को पैदा करती है।

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

रात में सोते-सोते राजगुरु के मुंह से अनायास ही कराहने जैसी आवाज़ निकली। आज़ाद उनकी बग़ल में ही ज़मीन पर लेटे थे। वे एकदम चौंककर उठे और देखा कि राजगुरु सो तो रहे हैं, साथ ही सीने पर हाथ रखे कराह भी रहे हैं। उन्होंने फ़ौरन जगाकर इसका कारण जानना चाहा। राजगुरु 'कुछ नहीं-कुछ नहीं' कहकर टालते रहे। अन्त में आज़ाद के विशेष आग्रह पर उन्हें बताना ही पड़ा कि खाना बनाते समय उन्होंने उनकी सब बातें सुन ली थीं और दरअसल वे यह जानना चाहते थे कि कहीं 'पुलिस जुल्म' के सामने वे दल के बारे में सब कुछ उगलकर रख तो नहीं देंगे।

'हाय रे! यह तूने क्या कर डाला?' कहकर आज़ाद ने अपना सिर पीट लिया। आंखों में आंसू और हृदय में विषाद लिए बोले, 'मैंने तेरे लिए थोड़े ही कहा था कि तू डिग जायेगा। मैं तो पुलिस के अत्याचार और उनके भेद उगलवाने वाले तौर-तरीक़े बता रहा था।'

राजगुरु निरुत्तर थे। टिमटिमाते हुए चिराग़ की रोशनी में आज उन्होंने पहली बार अपने आज़ाद भैया की आंसू-भरी आंखें देखी थीं। इन आंसुओं में उन्होंने सब कुछ पा लिया- उनका अटल विश्वास, असीम प्यार!

आज़ाद ने तुरन्त राजगुरु की कमीज़ उतरवाकर देखा तो सीने पर बड़े-बड़े सात फफोले दिखाई दिये। आधी रात के समय कुछ घरेलू उपचार के अलावा वे कर भी क्या सकते थे।

राजगुरु, सुखदेव और भगतसिंह को 23 मार्च, 1931 को फांसी पर चढ़ाये जाने से कुछ पहले श्रीमती सुशीला आज़ाद लाहौर सेण्ट्रल जेल में उनसे मिलने गयी थीं। राजगुरु को देखते ही श्रद्धा से उनका मस्तक झुक गया। छूटते ही बोलीं, 'अपनी बहिन की अन्तिम इच्छा तो पूरी करनी ही होगी तुम्हे भैया! पल-भर के लिए अपने सीने के दाग् तो दिखा दो मुझे!'

राजगुरु फांसी के कैदी की पोशाक में थे। दुसूती का जांघिया और उसी कपड़े का बना आधी बांह का कमीज़नुमा सलूका। सिर पर गोल टोपी। नंगे पैर। बस। शायद उनके भाग्य में यही तीन कपड़े बदे थे। ड्रिल मास्टर थे तब भी, और क़ैदी के रूप में भी वही। किन्तु, आज इस विकृत पोशाक में भारत मां के दुलारे लाल का फ़ौलादी पौरुष अनोखी कान्ति से भर गया था। सुशीला का आग्रह सुनकर पहले तो वह ज़रा मुस्कराए, फिर सलूके में ले लकड़ी के बटन ढीले किये और सीना खोल दिया।

सुशीला देवी देखती रहीं उन सातों निशानों को जैसे उनमें उस महाबलिदानी की आत्मिक-दृढ़ता की कहानियां पड़ रही हों। और फिर वे अपने को रोक न सकीं। हर्ष, विषाद और गौरवानुभूति की तरलता आंसू बनकर बहने लगी। *- क्रमशः*

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :
क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

सुख समृद्धि हेतु यज्ञ कराएं

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की योजना 'घर-घर-यज्ञ, हर-घर-यज्ञ' राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उत्साह पूर्वक नित्य निरंतर प्रगति की ओर है। वैदिक वाङ्मय में यज्ञ की विशेष महत्ता का वर्णन मिलता है। यज्ञ के द्वारा संसार के सभी ऐश्वर्य मानव को प्राप्त होते हैं। यजुर्वेद में कहा गया है कि 'अयं यज्ञो भुवनस्य नाभिः' अर्थात् यह यज्ञ संसार का केन्द्र बिन्दु है, अर्थात् विश्व का आधार है। शतपथ ब्राह्मण में कथन है कि 'स्वर्ग कामो यजेत्' अर्थात् हे मनुष्य यदि तू संसार के सुख प्राप्त करना चाहता है तो यज्ञ कर। आप भी अपने घर-परिवार में यज्ञ कराने के लिए सम्पर्क करें। यदि परमात्मा की व्यवस्थानुसार आपका परिजन/परिचित मृत्यु को प्राप्त होता है, उसके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था हेतु भी आप सम्पर्क कर सकते हैं।

- सत्यप्रकाश आर्य 9650183335

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद, गुरुग्राम एवं गाजियाबाद स्थित आर्य संस्थाओं की बैठक सम्पन्न

आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद, गुडगांव एवं आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद जिले की आर्यसमाजों के सैंकड़ों कार्यकर्ता हुए सम्मिलित

फरीदाबाद : अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली -2018 की तैयारी हेतु आर्य समाज आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के तत्त्वावधान में फरीदाबाद जिले की लगभग 40 समाजों की संयुक्त बैठक 11 अगस्त को सायं 5 बजे केन्द्रीय सभा के सैक्टर- 15, फरीदाबाद स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में लगभग 250 आर्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक को हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल, मंत्री उमेद शर्मा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा महामंत्री श्री विनय आर्य एवं केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के प्रधान श्री शिव कुमार टुटेजा जी ने सम्बोधित करते हुए अधिकाधिक सहयोग एवं भारी संख्या में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर आचार्य ऋषिपाल, महामन्त्री श्री रवीन्द्र गुप्ता, संगठन मन्त्री श्री बलबीर मलिक जी, देशबुन्ध आर्य जी, आनन्द मेहता जी, आशा पण्डित, प्रेमलता गुप्ता, रुक्मिणी टुटेजा, कुलभूषण सखुजा, कर्मचन्द शास्त्री, आर्यसमाज सै. 15 के प्रधान सत्य प्रकाश अरोड़ा, मंत्री दर्शनदयाल शर्मा जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। आर्यसमाज की ओर से सभी उपस्थित सदस्यों के लिए प्रीतिभोज की सुन्दर व्यवस्था की गई।

फरीदाबाद जिला आर्यसमाज की बैठक को सम्बोधित करते हरियाणा सभा के प्रधान मा. रामपाल जी एवं उपस्थित आर्यकार्यकर्ता

गुरुग्राम जिलान्तर्गत आर्यसमाजों से पधारे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते आर्य केन्द्रीय सभा के प्रधान श्री प्रभुदयाल चुटानी जी।

गुरुग्राम : इसी के साथ गुरुग्राम जिलान्तर्गत आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थाओं की बैठक आर्य केन्द्रीय सभा गुरुग्राम के तत्वावधान मे 12 अगस्त को सम्पन्न हई। इस अवसर पर आचार्य ऋषिपाल, श्री देशबंधु आर्य, दिल्ली सभा महामंत्री श्री विनय आर्य, केन्द्रीय सभा गुरुग्राम के प्रधान श्री प्रभु दयाल चुटानी, महामन्त्री श्री नरेन्द्र तनेजा जी, उप संचालक आर्य वीर दल श्री शिवदत्त आर्य, श्री सुरेन्द्र अदलखा, वानप्रस्थी श्री वेदमुनिजी सहित अनेक आर्य महानुभाव एवं माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। मंच संचालन आर्य केन्द्रीय सभा गुरुग्राम के पूर्व प्रधान श्री लक्ष्मण पाहुजा जी ने किया। अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का संकल्प लेते हुए मातृशक्ति ने कहा कि ये सम्मेलन आर्यो की और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है जिसमें हम सब आर्यो व आर्य मातृशक्ति की भागीदारी बहुत महत्त्वपूर्ण है।

गाजियाबाद : अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली -2018 की तैयारी हेतु आर्य समाज आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के अन्तर्गत में जिले की लगभग 30 समाजों की संयुक्त बैठक आर्यसमाज राजनगर गा. बाद में 12 अगस्त प्रात: 11 बजे सम्पन्न हुई। जिसमें जिले की सभी आर्य समाजों के प्रधान, मन्त्री एवं कोषाध्यक्ष महोदयों सहित लगभग 150 आर्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अधिकाधिक पहुंचने एवं सहयोग की अपील की। बैठक आर्य केन्द्रीय सभा के संरक्षक श्री श्रद्धानन्द शर्मा जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर पूर्वी दिल्ली वेद प्रचार मंडल के महामन्त्री श्री सुनहरी लाल यादव, आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के प्रधान श्री सत्यवीर चौधरी, महामन्त्री नरेन्द्र पांचाल, कोषाध्यक्ष श्री सन्त लाल मिश्रा, डॉ. आर. के. शास्त्री, एवं श्री सेवाराम आर्य जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर हर सम्भव सहयोग एवं भारी संख्या में पहुंचने का आश्वासन दिया। - ***मन्त्री***

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिलान्तर्गत महाशय धर्मपाल एम.डी.एच. दयानन्द आर्य विद्या निकेतन बामनिया में बैठक

अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ दिल्ली के अन्तर्गत महाशय धर्मपाल जी का आशीर्वाद प्राप्त संस्था के रूप में मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के बामनिया में महाशय धर्मपाल एम.डी.एच. दयानन्द आर्य विद्या निकेतन में सभी अध्यापकों एवं अभिभावकों की महासम्मेलन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम के महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर, श्री नीरज आर्य, श्री नरेन्द्र नारंग ने सभी को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया तथा सहयोग के लिए अपील की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण आत्रेय जी ने सभी उपस्थितों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय द्वारा उनके बच्चों के लिए दी जा रही सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि महासम्मेलन में पहुंचने के लिए रेलवे की ओर 50% की छूट दी जा रही है आप इसका लाभ उठाएं। छूट प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए विद्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। आपसभी सभी अभिभावकों व अध्यापक वर्ग में पहुंचने तथा यथा सम्भव सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल करोल बाग क्षेत्र में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। प्रत्येक होटल के एक कमरे में दो व्यक्तियों के ठहरने की व्यवस्था है अटैच बाथरूम। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

सामान्य होटल : 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

2 स्टार ओयो रुम : 2500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों क लिए

3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) : 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिए आपको स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

कमरे पूर्णत: वातानुकूलित और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम,पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें। - ***संयोजक, आवास समिति***

आवास व्यवस्था हेतु कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अत: अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर अवश्य साथ लाएं।

2. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अत: यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।

- ***संयोजक, आवास समिति***

एक रूपीय यज्ञ के लक्ष्य प्राति हेतु रत्नदेवी आर्य कन्या सी.सै. स्कूल यज्ञ प्रशिक्षण शिविर

दिल्ली में अक्तूबर, 2018 में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में एक रूपीय यज्ञ की तैयारी हेतु रत्नदेवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेंकेड्री स्कूल कृष्णानगर, दिल्ली में यज्ञ प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ आयोजित शिविर में दिल्ली सभा द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्प घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ के प्रचारक श्री सत्यप्रकाश जी, के सानिध्य में छात्र-छात्राओं और अध्यापिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ कुशलगढ़, राजस्थान में बैठक सम्पन्न

अन्तराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली - 2018 की तैयारियों के लिए राजस्थान के कुशलगढ़ के अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के प्रांगण में एक महाबैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम के महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर, श्री नीरज आर्य, श्री नरेन्द्र नारंग ने सभी को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 में भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। राजस्थान के प्रभारी श्री जीववर्धन शास्त्री, आश्रम के संचालक श्री दिलीप शास्त्री के साथ-साथ कुशलगढ़ के अनेक अध्यापक, चिकित्सक, उच्च अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी उपस्थित महानुभावों ने महासम्मेलन को सफल बनाने अपना पूर्ण योगदान देने की घोषणा की।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018
नवीनतम सूचनाओं व जानकारियों हेतु जुड़ें व्हाट्सएप्प पर और साझा करें विचार

महासम्मेलन हेतु आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल द्वारा सिरमौर और सोलन की आर्य समाजों में बैठक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते गत दिनों हिमाचल आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में सिरमौर और सोलन की आर्य समाजों में बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर हिमाचल आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री प्रबोध सूद जी, श्री शशी मित्तल जी, श्री दर्शनलाल जी समेत सिरमौर और सोलन की आर्य समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा महासम्मेलन की प्रचार सामग्री सौंपी गई।

Veda Prarthana - II
Regveda - 16/2

May We Have A Very Long Healthy Life

- Acharya Gyaneshwarya

Continue from issue :-

Ayurveda describes in detail how we should live, eat and drink properly to have a long healthy life where various body parts are working well even in old age. Unfortunately the methods advocated in the Vedic scriptures to promote good health, physical strength and long life such as practicing brahmacharya, not only they are not being practiced by overwhelming majority of people but modern western teachings are denigrating these methods. In Charak's ayurveda scripture brahmacharya is described as the most important method to prolong healthy life, more important than all other healthy recommendations described earlier in this mantra's explanation. As stated earlier in mantra#3 on page #8, a person who practices brahamacharya i.e. chastity (remains chaste in thought, word and actions) as wll as conserves his/her veerya, he/she enhances his/her prana i.e. vital energy/vigor, becomes healthier and stronger. Conserved veerya is the fuel that energizes our physical body, senses, and mind. The conserved veerya not only prolongs life but also makes one's intellect vey sharp and virtuous. The person becomes hard working, generous, acquires patience, remains focused and capable of withstanding most hardships in life such as hunger, heat, cold, and other deprivations in life. His soul becomes full of peace, fulfillment, joy and bliss. On the other hand, people who spend most of their veerya in various types of sexual activities, their bodies become weaker, they lose bodily energy and luster and they age faster.

Dear God, this is our humble prayer to you that just as in the ancient times our rishi's and maharishis (sages), brave soldiers used to follow teachings of Vedas and Ayurveda with faith and devotion and many managed to live a long life of 300-400 years, similarly may we live accordingly and have a long healthy life full of joy and peace.

The Sanskrit word veerya in English language is usually translated as semen, however, in Vedic scriptures the concept is that veerya is the vital energy of the body that makes a person full of vigor. A person who practices brahmacharya, he/she remains chaste in thought, word and action and uses veerya only for procreation but does not waste it on sexual pleasure. A person who conserves his veerya/semen, the veerya turns into neurological energy and enhances a person's life span, vital energies and vigor.

To Be Continue....

आओ ! संस्कृत सीखें

संस्कृत वाक्य अभ्यास: (64)
दैनिक बातचीत की सामान्य जानकारी

गतांक से आगे....

अगर को पुल्लिंग शब्द है तो 'क:?' स्त्रीलिंग है तो 'का?' और नपुंसकलिंग आदि सब के लिए 'किम्?'

अहम् - मै, पश्यामि - देखता हूँ। - अहम् पश्यामि - मैं देखता हूँ।

अहम् - मै, पश्यन् - देख रहा अस्मि - हूँ। अहम् पश्यन् अस्मि - मैं देख रहा हूँ।

भवन्त:-आप....कथं सन्ति -कैसे हैं? भवन्त: कथं सन्ति -आप कैसे हैं?

अहम् -मैं...कुशली -कुशल हूँ। अहम् कुशली-मैं कुशल हूँ।

भवान मम -आप मेरे....मित्रं न तु शिष्य: -मित्र हो शिष्य नहीं।

भवान मम मित्रं न तु शिष्य: - आप मेरे मित्र हो शिष्य नहीं।

अस्माकँ -हमारे...देशस्य -देश का .... किं नाम -क्या नाम....अस्ति -है?

अस्माकँ देशस्य किं नाम अस्ति? - हमारे देश का क्या नाम है ?

अस्माकँ -हमारे....देशस्य नाम -देश का नाम....भारतर्वषम् अस्ति । - भारत वर्ष है।

अस्माकँ देशस्य नाम भारतर्वषम् अस्ति । - हमारे देश का नाम भारत वर्ष है।

मम माता -मेरी माता ... भोजनार्थं -भोजन के लिए....आह्वानं करोति -बुला रही हैं।

मम माता भोजनार्थं आह्वानं करोति - अभी मेरी माताजी भोजन के लिए बुला रही हैं।

अहम् भोजनम् -मैं भोजन...करोति- कर रहा हूँ। अहम् भोजनम् करोति मैं भोजन कर रहा हूँ।

आम् -हा.... अधुना -अब....सम्यक -सही....अस्ति -है।

आम् अधुना सम्यक अस्ति - हाँ अब सही है।

***- आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,* मो. 9899875130**

तीज एवं श्रावणी पर्व समारोह एवं तिरंगा यात्रा

आर्य समाज रोहिणी के तत्त्वावधान में तीज एवं श्रावणी पर्व समारोह 16 से 19 अगस्त के बीच आयोजित किया जा रहा है। बुधवार 15 अगस्त प्रात: 8 बजे आर्य समाज से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 16 से 19 अगस्त समाज व राष्ट्र कल्याण यज्ञ भजन एवं प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम डॉ. रचना चावला (दन्त चिकित्सक) की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा व यज्ञ ब्रह्मा आचार्य रवीश शास्त्री जी होंगे। मुख्य वक्ता डॉ. राजू वैज्ञानिक (वैदिक प्रवक्ता) व भजन श्री कुलदीप आर्य(बिजनौर) प्रस्तुत करेंगे। - ***नरेश पाल आर्य, प्रधान***

आर्यसमाज सुन्दर विहार, दिल्ली में

गायत्री महामंत्र जप एवं यज्ञ

आर्य समाज सुन्दर विहार, दिल्ली के तत्त्वावधान में 26 अगस्त 2018 से 3 सितम्बर 18 के बीच गायत्री महामंत्र जप एवं यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ में श्री कृष्ण संवत के उपलक्ष्य में 5243 आहुतियां दी जाएंगी। यज्ञ ब्रह्मा डॉ. लक्ष्मण कुमार शास्त्री, गात्री मंत्र जाप एवं श्री कृष्ण चरित्र का बखान कु. आयुशी शास्त्री द्वारा किया जाएगा एवं भजन श्रीमती उमा वर्मा जी प्रस्तुत करेंगी।

- अमर नाथ बत्रा, मंत्री

अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने हेतु धरना-प्रदर्शन

आर्य समाज हापुड़ ने राष्ट्र के प्रति अपने उत्तर दायित्व को समझते हुए भारत से अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए 6 अगस्त 2018 को आर्य समाज गेट पर धरना-प्रदर्शन कर उपजिला अधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय को ज्ञापन दिया। यह कार्यक्रम आर्य समाज प्रधान श्री आनन्द प्रकाश आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें मातृशक्ति ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विजेन्द्र गर्ग ने किया।

- आनन्द प्रकाश आर्य, प्रधान

प्रेरक प्रसंग

वेदज्ञान मति पापाँ खाय

सम्भवत: राजा हीरासिंहजी नाभा के समय की घटना है। परस्पर एक-दूसरे को अधिक समझने की दृष्टि से महाराजा ने एक शास्त्रार्थ का आयोजन किया। आर्यसमाज की ओर से पण्डित श्री मुंशीरामजी लासानी ग्रन्थी ने यह पक्ष रक्खा कि सिक्खमत मूलत: वेद के विरुद्ध नहीं है। इसका मूल वेद ही है। एक ज्ञानीजी ने कहा-नहीं, सिक्खमत का वेद से कोई सम्बंध नहीं। श्री मुंशीरामजी ने प्रमाणों की झड़ी लगा दी। निम्न प्रमाण भी दिया गया-

दीवा बले अँधेरा जाई,
वेदपाठ मति पापाँ खाई

इस पर प्रतिपक्ष के ज्ञानीजी ने कहा यहाँ मति का अर्थ बुद्धि नहीं अपितु मत (नहीं) अर्थ है, अर्थात् वेद के पाठ से पाप नहीं जा सकता अथवा वेद से पापों का निवारण नहीं होगा। बड़ा यत्न करने पर भी वह मति का ठीक अर्थ बुद्धि न माने तब श्री मुंशीरामजी ने कहा ''भाई जी! त्वाडी तां मति मारी होई ए।'' अर्थात् 'भाईजी आपकी तो बुद्धि मारी गई है।' इसपर विपक्षी ज्ञानीजी झट बोले, ''साडी क्यों त्वाडी मति मारी गई ए।'' अर्थात् हमारी नहीं, तुम्हारी मति मारी गई है। इसपर पं. मुंशीराम लासानी ग्रन्थी ने कहा, ''बस, सत्य-असत्य का निर्णय अब हो गया। अब तक आप नहीं मान रहे थे अब तो मान गये कि मति का अर्थ बुद्धि है। यही मैंने मनवाना था। अब बुद्धि से काम लो और कृत्रिम मतभेद भुलाकर मिलकर सद्ज्ञान पावन वेद का प्रचार करों ताकि लोग आस्तिक बनें और अन्धकार व अशान्ति दूर हो।''

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

***तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी* : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

शोक समाचार

श्री शशिभूषण वर्मा को पत्नी शोक

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री, सार्वदेशिक सभा के अन्तरंग सदस्य, आर्य केन्द्रीय सभा के कोषाध्यक्ष आर्य समाज हनुमान रोड के प्रधान श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी के बड़े भ्राता श्री शशि भूषण वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी वर्मा (सदस्य, आर्य समाज हनुमान रोड) का दिनांक 8 अगस्त को निधन हो गया। श्रीमती रजनी वर्मा अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। दिनांक 11 अगस्त को हुई श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न आर्य समाजों के पदाधिकारियों, समाजसेवियों ने अपने-अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

श्री आर्य लालता प्रसाद शर्मा को पितृशोक

आर्य समाज खजूरीखास दिल्ली के मंत्री श्री आर्य लालता प्रसाद शर्मा के पूज्य पिता श्री मोहनलाल आर्य जी, प्रधान आर्य समाज हजरतपुर वजीरगंज, जिला गोंडा का 30 जुलाई 2018 निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री आदर्श कुमार जी को मातृशोक

आर्यसमाज मॉडल बस्ती शीदीपुरा के मन्त्री श्री आदर्श कुमार जी की पूज्य माताजी श्रीमती बन्तो देवी जी का 15 अगस्त को रात्रि 10:30 बजे निधन हो गया। अन्तिम संस्कार पंचकुइया रोड शमशान घाट पर 16 अगस्त को पूर्ण वैदिक रीति से आर्यसमाज के धर्मचार्य श्री जयप्रकाश शास्त्री जी द्वारा कराया गया।

श्रीमती रेणु मल्होत्रा जी का निधन

आर्य स्त्री समाज करोल बाग की प्रधाना श्रीमती शशि मल्होत्रा जी की देवरानी, श्री विजय मल्होत्रा जी की धर्मपत्नी एवं स्व. श्रीमती कान्ता सिक्का जी की सुपुत्री श्रीमती रेणु मल्होत्रा जी का 15 अगस्त को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार 16 अगस्त को सायं 4 बजे पूर्ण वैदिक रीति से सुभाष नगर शमशानघाट पर किया गया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली में

वानप्रस्थ और संन्यास-दीक्षा

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 में इस बार भी गत सम्मेलन की भांति वानप्रस्थ और संन्यास की दीक्षा के लिए नि:शुल्क वानप्रस्थ और संन्यास की दीक्षा का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। जो आर्य महानुभाव इस अवसर पर आर्यजगत् के मूर्धन्य संन्यसी वैदिक विद्वानों से वानप्रस्थ अथवा संन्यास की दीक्षा लेना चाहते हों, इस कार्यक्रम में सादर आमन्त्रित हैं।

दीक्षा के इच्छुक महानुभाव कृपया अपना विवरण '**संयोजक, यज्ञ समिति**' के नाम **सम्मेलन कार्यालय - 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** पर अथवा aryasabha@yahoo.com पर भेजें ताकि उनके संस्कार की समस्त व्यवस्था बनाई जा सके। - ***महासम्मेलन संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

रेल भाडे में 50% छूट : अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभावों को भारत सरकार की ओर से रेल भाड़े में 50% की छूट प्रदान की गई है। छूट का लाभ लेने वाले महानुभाव अपनी आर्यसमाज/संस्था के लैटर हैड पर पधारने वाले सदस्यों की सूची नाम-पता-आयु-मो. नं. के साथ बनाकर भेजें। सम्मेलन कार्यालय की ओर से तत्काल रेल भाड़ा छूट फार्म कोरियर/स्पीडपोस्ट द्वारा भिजवा दिए जाएंगे। रेलवे भाड़ा छूट प्राप्त करने हेतु निर्देश -

1. एक व्यक्ति के लिए एक फार्म भरा जाएगा। टिकट आने-जाने की एक साथ होगी।
2. दिल्ली से 300 किमी से अधिक की दूरी वाले महानुभावों को ही इस छूट का लाभ प्राप्त हो सकेगा।
3. जिन महानुभावों - वरिष्ठ नागरिकों/ स्वतन्त्रता सेनानियों/दिव्यांगों को पहले से ही रेलवे द्वारा छूट दी जा रही है उन्हें इस छूट का लाभ नहीं हो सकेगा।
4. छूट केवल दूसरे दर्जे/श्यनयान दर्जे के लिए ही प्राप्त की जा सकेगी।

अधिक जानकारी के लिए **श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता जी को 9211333188** पर व्हाट्एप्प करें aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करें अथवा महासम्मेलन कार्यालय को लिखें अथवा।- ***संयोजक***

प्रथम पृष्ठ का शेष

बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा.....

सभी मान्य अतिथियों का पुष्पमालाओं व शॉल से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बिहार के उपदेशकों, भजनोपदेशकों, कर्मठ कार्यकर्त्ताओं को सम्मानित किया गया। सभा मंत्री डॉ. शास्त्री के पूज्य पिताजी श्री पृथ्वी चन्द आर्य एवं डॉ. ऋचा योगमयी के पूज्य पिता जी श्री नरेन्द्र योगी जी को भी सम्मानित किया गया।

महासम्मेलन के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने पाखण्ड मुक्त, अन्धविश्वास मुक्त और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती के बताए मार्ग पर चलने के लिए सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की बात कही। साथ ही दिल्ली में 25 से 28 अक्टूबर 2018 को आयोजित हो रहे अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने के लिए अपील की।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा मंत्री श्री प्रकाश आर्य ने कहा कि मैंने 15 देशों की यात्राएं की हैं, सभी देशों में मुझे बिहारवाासी मिले, नि:सन्देह बिहारवासी अपनी विद्वता, व्यवहार कुशलता, विनम्रता और कर्मठता के लिए गौरवान्वित हैं। एतदर्थ, बिहार के आर्यों के प्रति मेरी अपूर्व निष्ठा और श्रद्धा है। इससे सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा धर्म सत्य सनातन वैदिक धर्म है और हम आर्य समाजी मूलत: सनातनी हैं, क्योंकि हमारा धर्मग्रन्थ वेद है जो सृष्टि के आदि में ही 1,96,08,53,119 वर्ष पूर्व मानवमात्र को ईश्वर ने ज्ञान दिया। इसके साथ ही उन्होंने 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' के लिए कृण्वन्तो स्वयंआर्यम् की बात कही। इसकी शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति अपने घर-परिवाार से करे तभी हमारी संतान भी आर्य समाजी होगी। श्री प्रकाश ने अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 को ऐतिहासिक आर्य महासम्मेलन बताते हुए सम्मेलन सम्बन्धी व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया।

सार्वदेशिक सभा के मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी ने अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आठ करोड़ रुपये खर्च होने की बात कही इस पर बिहार सभा मंत्री व्यासनन्दन शास्त्री और सभा प्रधान डॉ. संजीव आर्य (विधायक) ने 50 लाख रुपये के सहयोग की घोषणा की, साथ ही 20 हजार आर्य प्रतिधियों को दिल्ली आर्य महासम्मेलन में पहुंचें इस बात की पुष्टि करते हुए सभा प्रधान ने बताया कि इस हेतु बिहार में तैयारियों शुरू हो चुकी हैं।

महासम्मेलन को सफल बनाने में प्रधान डॉ. संजीव आर्य, मंत्री डॉ. व्यास नन्दन शास्त्री, कोषाध्यक्ष श्री सत्यदेव प्रसाद गुप्त, श्री विद्याशरण प्रसाद, श्री संजय कुमार गुप्ता, श्री मनोज कुमार आर्य, सहमंत्री पुरुषोत्तम कुमार, पं. विनोद कुमार शास्त्री आदि की प्रमुख भूमिका रही।

- ***डॉ. व्यासनन्दन शास्त्री, मंत्री***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018

ध्यान देने योग्य बातें

1. महासम्मेलन में स्वयं तो आएं साथ में अपने परिवार व बच्चों को भी साथ लावें।
2. अपनी संस्थाओं के आर्यवीर/ आर्य वीरांगनाओं विद्यार्थियों को परिवार सहित साथ लावें। अपने इष्ट-मित्रों, सम्बन्धियों को महासम्मेलन में आने के लिए प्रेरित करें।
3. अपने साथ कम से कम सामान लाए। कीमती सामान बिल्कुल न लाएं।
4. ऐसे परिवारों को अवश्य आमंत्रित करें जो पहले कभी आर्य समाजी थे पर किन्हीं कारणों वश अब आर्य समाज से सम्बन्ध नहीं रख पा रहे हों।

सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018
25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली

मुख्य पंजीकरण फार्म

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
पिता/पति का नाम .....
मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....
फोन (नि.) .....(कार्या.).....
ई-मेल .....
पूरा पता .....
.....
राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐
शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....
व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐
यदि सेवारत हैं तो पद .....
संस्था का नाम-पता.....
.....
सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....
क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित
सिविल सर्विसेज IAS परीक्षा - 2019

भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी ध्यान दें

आर्यसमाज के शिक्षण संस्थानों/गुरुकुलों/सेवाकेन्द्रों/बालवाड़ियों, डी.ए.वी. संस्थानों/ विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त ऐसे प्रतिभावान छात्र/छात्राएं जो वर्ष 2019 में आयोजित होने वाली सिविल सर्विसिज एग्जामिनेशन में भाग लेना चाहते हैं, अर्थित एवं मूलभूत आवश्यकताओ के अभाव के कारणों से परीक्षा तैयारियां नहीं कर पा रहे हैं उन सबके लिए आर्यसमाज की ओर से स्वर्णिम अवसर।

आर्य प्रतिभा विकास संस्थान की ओर से राष्ट्रवादी विचारधारा वाले, आर्य शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त सुयोग्य पात्रों को आर्थिक सहयोग एवं परीक्षा तैयारियों के लिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की जाती है।

योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक महानुभावों को एक लिखित/मौखिक एवं बौद्धिक परीक्षा पास करनी होगी। सफल परीक्षार्थियों में से प्रथम 40 अभ्यर्थियों को दिल्ली में आमन्त्रित करके, भोजन, आवास एवं तत्सम्बन्धी समस्त सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जाएंगी तथा प्रशिक्षण की तैयारियां कराई जाएंगी। इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी/परीक्षार्थी अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों, वित्तीय स्थिति के विवरण तथा आवश्यक कागजातों की प्रति के साथ अपना आवेदन पत्र संस्थान की ईमेल आई.डी. dss.pratibha@gmail.com पर ईमेल करें। अधिक जानकारी के लिए मो. 9540002856 पर सम्पर्क करें। - ***व्यवस्थापक***

सोमवार 13 अगस्त, 2018 से रविवार 19 अगस्त, 2018
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2018–19–2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 16–17 अगस्त, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू (सी.) 139/2018–19–2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 14 अगस्त, 2018

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा – महासम्मेलन–2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाइन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं –

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन– चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/–	4. चौथाई पृष्ठ	7500/–
2. आधा पृष्ठ	7500/–	5. आधा पृष्ठ	12500/–
3. पूरा पृष्ठ	10000/–	5. पूरा पृष्ठ	21000/–

विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें : यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/ अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं।

विद्वानों/लेखकों से निवेदन : सभी वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना–पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए–4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर **'स्मारिका सम्पादक', अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018, 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली –110001'** पर या aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। **– अजय सहगल, सम्पादक**

देश और समाज विभाजन के षड्यन्त्र का पर्दाफास

आओ! जानें मनुस्मृति का सच

स्वाध्याय के लिए प्रक्षेप रहित संस्करण

मनु के मौलिक आदेशों-उपदेशों का प्रसंगबद्ध वर्णन होने से स्वाध्यायशील महानुभावों के लिए परम उपयोगी।

मूल्य : ~~600~~/– 500/–

प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें
वैदिक प्रकाशन, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली–1, मो. 9540040339

प्रतिष्ठा में,

तेजी से बढ़ रहे हैं आर्यसमाज YouTube चैनल के दर्शक

84,00,000 + लोगों ने देखा अब तक

आप भी देखें और सब्सक्राइब अवश्य करें और अपने मित्रों, सम्बन्धियों को देखने की प्रेरणा करें।

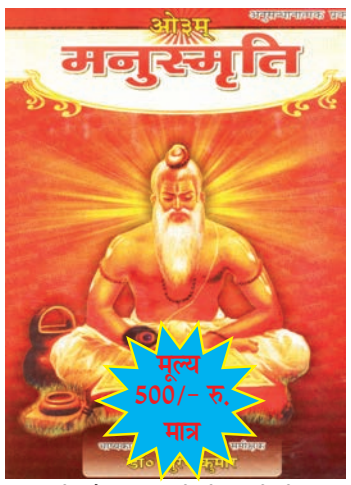

यदि आप लगातार नई वीडियो देखना/सूचना प्राप्त करना चाहते हैं तो घंटी बटन दबाकर सब्सक्राइब करें।

यदि आप भी अपने आर्यसमाज के आयोजनों – भजन, प्रवचन, सन्देशात्मक कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को इस चैनल पर अपलोड कराने के लिए upload@thearyasamaj.org पर भेजें। – महामन्त्री

94 साल की उम्र में भी जब मेरे दांत ठीक रह सकते हैं तो आपके क्यों नहीं ?

एम डी एच
दंत मंजन
लौंग युक्त
(बिना तम्बाकू के)

23 जड़ी बूटियों एवं अन्य पदार्थों से निर्मित आयुर्वेदिक दंत मंजन

इसके सुबह – शाम नियमित प्रयोग से दांतों का दर्द, पायेरिया, मुंह की दुर्गन्ध, मसूड़ों की सूजन, रक्त बहना, ठण्डा गरम पानी लगना, दांतों में जमी मैल छुड़ाने के लाभ के साथ–साथ दांत सारी उम्र चलें, पूरी तरह सुरक्षित व मजबूत रहें।

इसे नीचे बताई गई प्रयोग विधि अनुसार एक सप्ताह नियमित रूप से इस्तेमाल करें और फर्क महसूस करें। फायदा न होने पर पैसे वापस पायें।

प्रयोग–विधि सबसे पहले मुलायम टूथ ब्रश से दांतों में मंजन करें। उसके बाद थोड़ा मंजन बायें हाथ की हथेली पर डालकर अपने दायें हाथ की उंगली से दांतों और मसूड़ों पर आहिस्ता–आहिस्ता मलें। दांतों के अंदर के हिस्से को भी अपने अंगूठे से मलें। रात को सोने से पहले, सुबह उठने के बाद। अगर दांतों में दर्द होता हो तो दांतों में मंजन करके 10 मिनट के बाद थूक दें, कुल्ला न करें।

महाशियाँ दी हट्टी (प्रा0) लिमिटेड
9/44, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015
फोन नं0 011-41425106-07-08
Website : www.mdhspices.com
ESTD. 1919

शाह जी दी हट्टी
दुकान नं0 6679, खारी बावली, दिल्ली -110006 फोन नं0 011-23991082

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए–29/2, नारायणा औद्यो. क्षेत्र–1, नई दिल्ली–28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह